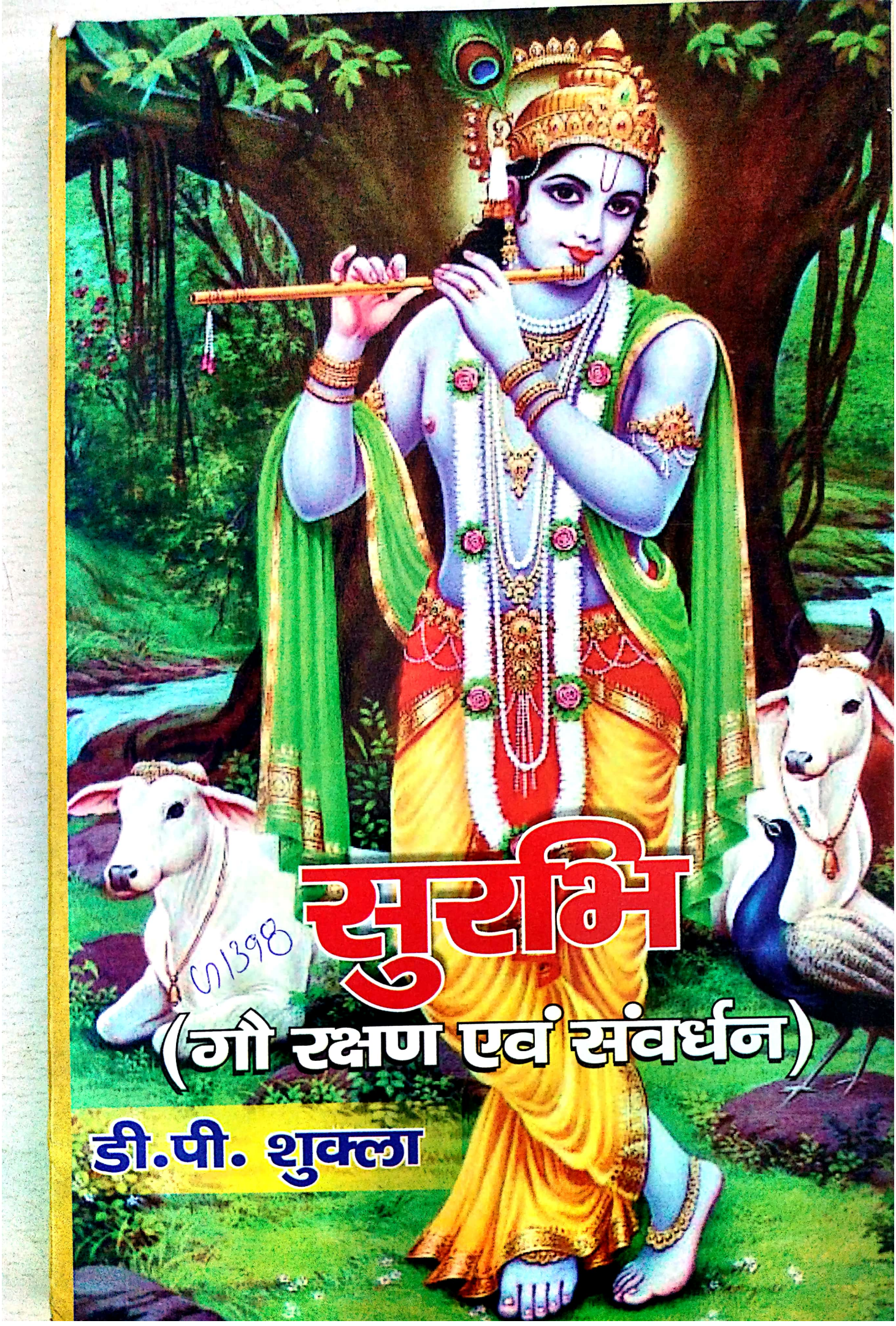

01398

Scanned with OKEN Scanner

भारतीय संस्कृति और हमारे पूर्वजों से हमें यह संदेश मिला है कि 'गाय हमारी माता है'। हमारे धर्मग्रंथ, वेद-पुराण '**अथर्ववेद**' के अनुसार-

'सहस्त्रं धारा द्रविणस्य में' 'दुहा धुवेव धेनुरनपस्फुरंती'।

(अथर्ववेद 12/1/45)

अर्थात् **'हे पृथ्वी! तुम सहस्त्र स्तन-धाराओं वाली कपिला के रूप में हमारा पोषण करने वाली हो।'** वेदकार ने **पृथ्वी** की तुलना **गाय** से की है। गाय ही संसार की एकमात्र ऐसी प्राणी है जिसका मल-मूत्र भी उपयोगी होता है। यह मल-मूत्र अनेक बीमारियों में औषधि का कार्य करता है। गो-दुग्ध तो अमृत है ही, साथ ही दही, घृत, गोबर एवं मल-मूत्र से निर्मित 'पंचगव्य' से भी बिना किसी अन्य वस्तु के (जल के अतिरिक्त) जीवन का निर्वाह किया जा सकता है।

आज हम जिस भौतिकवादी युग की अंधी दौड़ में चल पड़े हैं उसमें हम अपने माता-पिता व [illegible] को भूलते जा रहे हैं तो 'गौ [illegible] में सोचने की कल्पना भी [illegible] हैं। यही कारण है कि [illegible] आज चिंता का विषय बन गया है।

भारतीयों की तुलना [illegible] विदेश [illegible] आकर अपना संपूर्ण जीवन [illegible] व्यतीत कर रहे हैं।

इस पुस्तक में [illegible]-रक्ष[illegible], संवर्द्धन एवं प्रबंधन द्वारा यह [illegible] देने [illegible] प्रयास किया गया है [illegible] वन [illegible] सभी क्रिया-कर्म के [illegible] मोक्षदायिनी गौ-माता की सेवा [illegible] सब अपना जीवन सार्थक [illegible]। [illegible] पी. शुक्[illegible] इसी आशय के साथ यह पुस्त[illegible] सभी के हाथों में समर्पित [illegible] है।

[illegible]त्येन्द्र शुक्ल

महामंत्री, उ.प्र. हिंदी प्रकाशक मंडल

Scanned with OKEN Scanner

श्री [illegible] पुस्तकालय [illegible]
[illegible] को सप्रेम भेंट ।

[illegible]

51398

सुरभि

(गौ रक्षण एवं संवर्धन)

पं. द्वारिका प्रसाद शुक्ला 'सरस'

सरस्वती साहित्य संस्थान

333/30, पुराना अल्लापुर, इलाहाबाद-211 006

Scanned with OKEN Scanner

ISBN : 978-93-83107-42-1

प्रकाशक :

सरस्वती साहित्य संस्थान

333 / 30, पुराना अल्लापुर, इलाहाबाद–211 006

ई–मेल : saraswatisahityasansthan@gmail.com

प्रकाशन :

प्रथम, 2019

सहयोग राशि :

रु. 375.00

सर्वाधिकार :

लेखकाधीन

शब्द टंकण :

आकांक्षा कम्प्यूटर

शिवनगर कालोनी, टीकमगढ़ (म.प्र.)–472001

मोबाइल–09893520965

शब्दसंयोजन व आवरण :

अथर्व ग्राफिक्स

मुट्ठीगंज, बाँसमण्डी, इलाहाबाद–211 003

मोबाइल–6392615755

Scanned with OKEN Scanner

ॐ गण गणपतये नमः

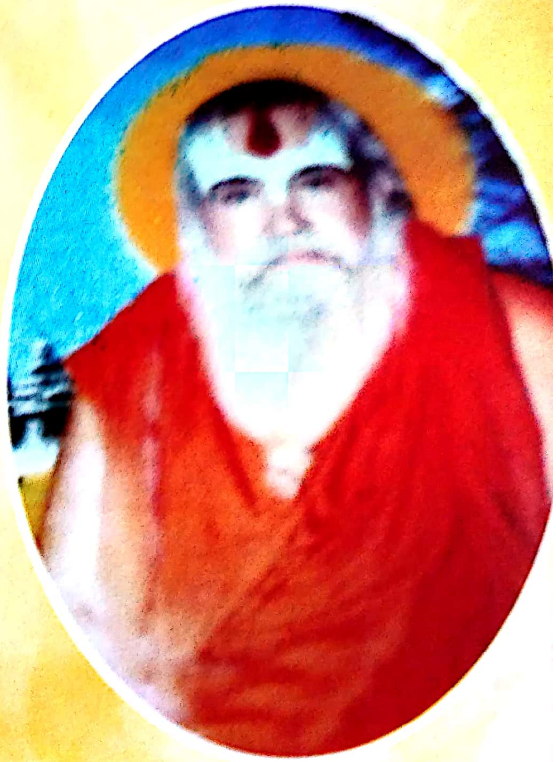

कृपाचार्य : श्री श्री 108
श्री स्वामी रामस्वरूपाचार्य जी महाराज,
चित्रकूट धाम (उ.प्र.)।

गुरुदेव : श्री श्री 108
महावीर दास जी महाराज,
पारीछाधाम (बड़ागाँव), झाँसी (उ.प्र.)

Scanned with OKEN Scanner

पं. द्वारिका प्रसाद शुक्ला 'सरस'

पिता :

स्व. श्री दामोदर प्रसाद शुक्ला

माता :

श्रीमती पार्वती शुक्ला

पत्नी :

श्रीमती कुसुमलता शुक्ला

जन्म :

06 जून, सन् 1955

जन्म-स्थान :

चंदेरा, जिला-टीकमगढ़ (म.प्र.)

शिक्षा :

एम.ए. (हिन्दी साहित्य)

S/1398

विधा :

कविता, गीत, कहानी व आलेख।

सानिध्य :

म.प्र. लेखक संघ एवं श्री वीरेन्द्र केशव साहित्य परिषद् व अखिल भारतीय हिन्दी सेवा समिति सचिव, अखिल भारतीय हिन्दी साहित्य परिषद् टीकमगढ़/कोषाध्यक्ष/जिला पेन्शनर्स एसोसिएशन टीकमगढ़/महामंत्री।

सम्प्रति :

सेवानिवृत उपवन क्षेत्रपाल, वन विभाग एवं अनुभूति मास्टर ट्रेनर

सम्पर्क :

मामोन दरवाजा, टीकमगढ़ (म.प्र.)- 472001

मोबाइल : 9617572350

Scanned with OKEN Scanner

S/1398

अनुक्रमणिका

आस्था का स्वरूप गौ धन 23
सुरभि : गौ संवर्धन, संरक्षण..... 25
आस्था एवं व्रत साधना 27
धरम, नीति और ज्ञान 28
सानिध्य में 29
गौ का महिमा मंडन 31
गऊ हन्ताकरण 34
गौ धन से प्राप्त लाभ 36
गौ धन की रक्षा, सुरक्षा एवं प्रबंधन 38
बोध विचार 41
वृहद् चिंतन 44
भटकती राहें, बिगड़े आयाम 46
विचारों की प्रधानता 49
जीवनदायिनी गौ माता..... 54
गौ माता की बिगड़ती स्थिति का विहंगम दृश्य 57
'मन चंगा तो कठौती में गंगा' 63
प्रेम की डोर बँधी है..... 65
बिन गैया बिन सेवा सों जियरा तड़प रहो हमारौ..... 66
दीपावली के अवसर पर गौ माता के पूजन का महत्त्व 67
गौ संरक्षण से प्रगति पथ का रास्ता प्रशस्त होना..... 69
गौ धन की महत्त्वता एवं संबंध..... 71
पुरातनकाल में अपराध में दंड का प्रावधान 72
गाय पशु नहीं बल्कि सुन्दर अर्थ तंत्र है..... 75

Scanned with OKEN Scanner

कलयुग में बढ़ती राक्षसी प्रवृत्ति एवं घटती आस्था .....
आज के परिवेश में प्राप्त तत्त्वों का विश्लेषण 77
विश्व सुखदायिनी गौ माता 78
गौ माता का अवतरण एवं उदारता..... 80
पशुओं में गाय का स्थान..... 82
अमानवीय कृत्य पर समाधान की अवनति..... 83
गौ रक्षा सम्मत वेद-पुराण और अन्य ग्रंथ..... 86
गो संवर्धन हमारी महती आवश्यकता 88
गौ शाला पर निर्भरता और गौ रक्षा के उपाय 90
मधुशाला से हटकर गौ शाला की ओर 92
मदिरा पान से होने वाली सामाजिक विकृतियाँ..... 94
गौशाला की ओर प्रवृत्ति..... 95
चारे की कमी का कारण..... 97
गौ पालन हेतु प्रशिक्षण एवं उपचार 98
भारतीय संस्कृति में गौ का महत्त्व 101
गौ महात्म्य..... 104
गौ एक प्रेरणा एवं सुसंस्कृति दायिनी है..... 106
सरस के द्वारा गौ पय और दुग्ध की पौष्टिकता का परिचय..... 110
गौ चरित्र निर्माण में सहायक..... 112
गौ माता : मोक्षदायिनी माँ 113
बूढ़ी गाय और बुढ़ापा का सहारा कौन? 116
याचना..... 117
सान्निध्य में..... 124
परिवर्तन की पहेली बनकर एक सहेली 126
गौ धन की गुरु महिमा 129
गुरु महिमा और गौ धन 131
गौ संरक्षण एवं प्रबंधन में टीकमगढ़ का योगदान..... 133
135

□□

Scanned with OKEN Scanner